RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 26 जुलाई 2022 वर्ष 04 अंक 87 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

BEST ने सुनी यात्रियों की फरियाद...!

...अब इस रूट पर रात 9.30 बजे तक चलेंगी एसी बसें

यात्रियों की भारी डिमांड को देखते हुए बेस्ट ने मंत्रालय से सीएसएमटी तक रूट नंबर अ-115 पर रात 9.30 बजे तक एसी बसें चलाने का फैसला किया है. बेस्ट के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी. इसके अलावा बेस्ट मुंबई एयरपोर्ट टर्मिनल 2 से खारघर के लिए भी एसी बसें संचालित करेगा. प्रवक्ता ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि मुंबई एयरपोर्ट टर्मिनल 2 से खारघर के लिए हर 50 मिनट पर एसी बसें चलेंगी.

इतना होगा एटरपोर्ट से खारघर का किराया

बता दें कि एयरपोर्ट से बस सेवा हाल ही में शुरू की गई है और इस रूट पर सारे दिन बस चलती हैं. प्रवक्ता ने आगे बताया कि एयरपोर्ट वाले रूप पर यात्री अच्छी संख्या में बसों से यात्रा कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि यात्री वाशी, सीवुड, सीबीडी बेलापुर और खारघर जाने के लिए बसों का उपयोग कर रहे हैं. वहीं एयरपोर्ट टर्मिनल-2 से खारघर का किराया प्रति व्यक्ति 250 रुपए है.

लेडीज स्पेशल बसों में 7 गुना बढ़ी संख्या

एक अधिकारी ने बताया कि बेस्ट द्वारा चलाई जा रही लेडीज स्पेशल बसों में यात्रियों की संख्या कोरोना काल से पहले की तुलना में 7 गुना बढ़ गई है. उन्होंने कहा कि महिलाएं इन बसों में यात्रा करने में सुरक्षित महसूस करती हैं. बेस्ट द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2019 में महिला यात्रियों के लिए बेस्ट की बसें 54 फेरे लगाती थी और उनमें लगभग 2500 महिलाएं यात्रा करती थी, लेकिन अब बसें 393 फेरे लगाती हैं और महिला यात्रियों की संख्या बढ़कर 18,000 हो गई है. बेस्ट ने कहा कि महिलाओं से मिल रही अच्छी प्रतिक्रिया को देखते हुए बसों के फेरों को और बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है.

चुनाव आयोग का फैसला !

आधार से लिंक होगा वोटर कार्ड

मुंबई : एक व्यक्ति को एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान से रोके जाने को लेकर मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने का निर्णय केंद्रीय चुनाव आयोग ने लिया है। मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने की मुहिम 1 अगस्त से शुरू की जाएगी। यह जानकारी मुख्य चुनाव अधिकारी और अपर मुख्य सचिव श्रीकांत देशपांडे ने सोमवार को मंत्रालय में आयोजित पत्रकार परिषद में दी। मुख्य चुनाव अधिकारी श्रीकांत देशपांडे ने बताया कि मतदाता सूची में अधिक से अधिक लोगों के नाम शामिल करने को लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग ने उपाय योजना किया है। पहले वर्ष में एक बार मतदाता पंजीयन किया जाता था, अब साल में चार बार यानी 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर को मतदाता पंजीयन किया जाएगा।

विशेष मुहिम के तहत आवेदन 6 ब तैयार किया गया

मुख्य चुनाव अधिकारी देशपांडे ने बताया कि मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने की विशेष मुहिम के तहत आवेदन 6 ब तैयार किया गया है। जिसे केंद्रीय चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव अधिकारी महाराष्ट्र की बेवसाइट से अपलोड किया जा सकता है। मतदाता ऑनलाइन पद्धति से भी आधार को जोड़ सकते हैं। यह सुविधा ERO Net. GARUDA, NVSP, VHA पर उपलब्ध करायी गयी है। इसके अलावा मतदाताओं से आधार नंबर हासिल करने के लिए मतदान केंद्र स्थल पर अधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है। यह भी कहा गया है कि जिस नागरिक के पास आधार नंबर नहीं है, वह फार्म 6 ब में निर्धारित किए गए मनरेगा जॉब कार्ड, फोटो सहित किसान पासबुक, स्वास्थ्य स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर अंतर्गत प्रदान किये गए स्मार्ट कार्ड, पासपोर्ट, फोटो सहित पेन्शन कागजात,

सरकारी कर्मचारियों का पहचान पत्र, विधायक एवं सांसद की तरफ से दिए गए पहचान पत्र सहित कुल 11 में से कोई भी एक दस्तावेज जमा कर सकता है। सर्वदलीय बैठक कल- मुख्य चुनाव अधिकारी और अपर मुख्य सचिव श्रीकांत देशपांडे ने बताया कि आधार कार्ड को वोटर कार्ड से लिंक करने की मुहिम को सफल बनाने के लिए चुनाव आयोग मंगलवार को सर्वदलीय बैठक करेगा। जिसमें सभी से सहयोग की अपील की जाएगी। उन्होंने बताया कि वोटर कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ने को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने पहले ही अनुमति दे दी है।

'100 करोड़ रुपये में राज्यपाल, राज्यसभा सीट देने का झांसा'

CBI ने किया रैकेट का भंडाफोड़ !

मुंबई : केंद्रीय जांच ब्यूरो ने राज्य सभा सीटों और राज्यपाल पद का झूठा वादा करके लोगों से 100 करोड़ रुपये की ठगी करने की कोशिश करने वाले रैकेट का भंडाफोड़ किया है और कार्रवाई करते हुए गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने इन आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की है। प्राथमिकी में महाराष्ट्र के लातूर के कमलाकर प्रेमकुमार बंदगर, कर्नाटक के बेलगाम के रवींद्र विट्ठल नाइक और दिल्ली-एनसीआर के महेंद्र पाल अरोड़ा, अभिषेक बूरा और मोहम्मद एजाज खान को नामजद किया है। वहीं सीबीआई अधिकारियों पर हमला करने के बाद तलाशी अभियान के दौरान एक आरोपी भाग भी गया। वहीं बाकी आरोपियों से कड़ी पूछताछ की जा रही है।

सीबीआई अधिकारी बनकर लोगों को दे रहे थे झांसा

अधिकारियों के अनुसार आरोपी बंदगर खुद को सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में पेश कर रहा था। इसके अलावा वह लोगों के सामने उच्च पदस्थ अधिकारियों के साथ अपने संबंधों का दिखावा भी करता था। वह बूरा, अरोड़ा, खान और नाइक को लोगों को झांसा देकर काम लाने के लिए कहता था ताकि उसके बदले में वह करोड़ों रुपये की डील कर सके। ज्यादा प्रभाव दिखाने के लिए आरोपी खुद को बड़े नेताओं का करीबी बताकर भी लोगों को बरगलाते थे। हालांकि, सीबीआई ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया है।

राज्यपाल से लेकर राज्य सभा में सीटों तक का झांसा

अधिकारियों के अनुसार आरोपियों ने राज्य सभा में सीटों की व्यवस्था, राज्यपाल के रूप में नियुक्ति, केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों के तहत विभिन्न सरकारी संगठनों में अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के लिए झूठा आश्वासन देकर निजी व्यक्तियों को धोखा देने के लिए साजिश रची।

मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी की तलाश में पुलिस जगह-जगह दबिश दे रही

मुंबई : पूर्वांचल के माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी की तलाश में पुलिस जगह-जगह दबिश दे रही है। अब्बास अंसारी को पुलिस राजधानी लखनऊ, गाजीपुर, मऊ नई दिल्ली और नोएडा स्थित आवास पर तलाश रही है। इस दौरान पुलिस आज लखनऊ के कैंट इलाके के एक अपार्टमेंट में छापा मारने पहुंची। बता दें कि वर्ष 2012 में लखनऊ के जिलाधिकारी ने अब्बास अंसारी के नाम डीबीबीएल गन का लाइसेंस जारी किया था। अब्बास अंसारी ने इस लाइसेंस को नई दिल्ली के पते पर स्थानांतरित करा लिया, लेकिन इसकी पूर्व सूचना थाना महानगर को नहीं दी। इस सिलसिले में एमपी-एमएलए की विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अभियुक्त अब्बास अंसारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। 12 अक्टूबर, 2019 को इस मामले की एफआईआर प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने थाना महानगर में दर्ज कराई थी। कोर्ट ने पुलिस द्वारा चार्जशीट लगाए जाने के बाद अब्बास अंसारी की अर्जी को खारिज कर दिया था।

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार 26 जुलाई 2022

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

गणराज्य का गौरव पल

संसद के सेंट्रल हॉल में जब द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति पद की शपथ ले रही थीं, तब पूरा देश उन्हें सम्मान से देख रहा था। उनके शपथ ग्रहण के साथ देश के जनजाति और वनवासी समुदाय का सिर जिस तरह गर्व से ऊंचा उठा है, वह भारतीय राष्ट्र की नई ताकत और भारतीय राजनीति के नए विस्तार की ओर इशारा करता है। शपथ ग्रहण के बाद अपने पहले संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने आजादी के अमृत महोत्सव को याद किया, जिसे हम कुछ ही दिनों में मनाने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा सौभाग्य है कि आजादी के 75वें साल में मुझे यह दायित्व मिला है।' द्रौपदी मुर्मू के देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचने से उस संकल्प और उन सपनों को एक नया आयाम मिला है, जो आजादी की लड़ाई की सबसे प्रमुख भावना थी। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जिसके लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। अंतिम जन को देश के शीर्ष पद पर ले जाने के संकल्प को साकार करने का इससे अच्छा अवसर कोई और हो नहीं सकता था। यह हम सबका सौभाग्य है कि स्वतंत्रता के 75वें साल में हम देश को उस दिशा में ले जा रहे हैं, जिसके लिए आजादी की लड़ाई लड़ी गई थी।

राष्ट्रपति मुर्मू आर्थिक रूप से देश के सबसे पिछडे.इलाके से आई हैं। उस इलाके से, जहां अभी चंद रोज पहले तक विद्युत आपूर्ति तक की कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने जो लंबा सफर तय किया है, वह देश के राजनीतिक वायुमंडल के बारे में भी बहुत कुछ कहता है। उनके गांव में विकास की वह बयार अभी तक नहीं पहुंची है, जिसे हम प्रगति की सबसे जरूरी शर्त मानते हैं। इसके अलावा, उन्होंने पिछले 25 साल में पार्षद से लेकर राष्ट्रपति पद तक की लंबी दूर तय की है। यहां पर एक और चीज का जिक्र जरूरी है कि वह देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। इस तरह से देखें, तो सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक और जेंडर के उन सभी स्तरों का उनके पास निजी अनुभव है, जहां बडे.प्रयासों की जरूरत है। राष्ट्रपति के तौर पर यह अनुभव उनके बहुत काम आएगा। इसके साथ ही उनका यह अनुभव देश के लोगों के लिए भी एक आश्वासन है कि सर्वोच्च पद पर एक ऐसी हस्ती आसीन है, जो उनके दुख-दर्द को अच्छी तरह जानती-समझती है। इस सबका एक अन्य अर्थ भी है, जिसका जिक्र राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में किया, 'मेरा निर्वाचन इस बात का सुबूत है कि भारत में गरीब सपने देख भी सकता है और उन्हें पूरा भी कर सकता है।'

जाहिर है, राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू का शपथ लेना भारतीय राजनीति की जड़ों के गहराने और मजबूत होते जाने की कहानी कहता है। पिछले कुछ दशकों में हमारा लोकतंत्र उन सभी लोगों को, तमाम समुदायों को मुख्यधारा में, बल्कि केंद्र ले आया है, जो कभी सत्ता-संरचना के हाशिये पर हुआ करते थे। किसी देश की सामाजिक विविधता उसकी राजनीति में भी स्थापित हो, प्रतिबिंबित हो, तो इससे अच्छी बात भला क्या हो सकती है! भारतीय लोकतंत्र इस मायने में अपनी परिपक्वता से दुनिया के दूसरे लोकतंत्रों के आगे आदर्श प्रस्तुत करता है। द्रौपदी मुर्मू का शिखर पर पहुंचना एक बार फिर यह बताता है कि भारत की राजनीति में अब उच्च वर्गों का एकाधिकार नहीं रहा। हालांकि, हमारी सक्रिय राजनीति में राष्ट्रपति की भूमिका सीमित होती है, लेकिन द्रौपदी मुर्मू के पास वह आभामंडल है, जो राजनीति के उतार-चढ़ावों के बीच स्थितियों को अप्रिय होने से बचा सकता है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मनसे के प्रमुख राज ठाकरे से बागियों तक सभी को घेरा

उद्धव ठाकरे ने EC से बचने को लिया सुप्रीम कोर्ट का सहारा...

मुंबई : शिवसेना की लड़ाई एक बार फिर से सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। उद्धव ठाकरे के गुट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर चुनाव आयोग की कार्रवाई पर रोक की मांग की है। चुनाव आयोग के समक्ष एकनाथ शिंदे गुट ने दावा ठोका है कि उनका ग्रुप ही असली शिवसेना है। इसे लेकर चुनाव आयोग ने दोनों पक्षों से अपने-अपने समर्थन में दावों को पेश करने को कहा था। खास बात है कि बगावत के बाद महाराष्ट्र में शिवसेना पर नियंत्रण की जंग शुरू हो गई थी। बीत दिनों आयोग को पत्र लिखकर पार्टी पर दावा पेश किया था। हालांकि, आयोग ने 8 अगस्त तक दोनों समूह से दावे और आपत्तियां मांगी थीं। उद्धव कैंप की की तरफ से पेश अर्जी में कहा है कि यह मामला अभी अदालत में लंबित है। इसलिए चुनाव आयोग इस मामले पर अभी आगे नहीं बढ़ सकता है। दोनों दलों ने एक दूसरे के विधायकों समेत अन्य मामलों को लेकर शीर्ष न्यायलय में याचिकाएं दायर की हैं। शिवसेना प्रमुख ठाकरे ने कहा है कि पार्टी में पिछले विद्रोहों के विपरीत, इस बार बगावत का उद्देश्य शिवसेना को खत्म करना है। ठाकरे ने रविवार को दक्षिण मुंबई में एक वार्ड स्तरीय पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद शिवसेना कार्यकताओं को संबोधित करते हुए दावा किया कि शिवसेना हिंदुत्व के लिए राजनीति में है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने राजनीतिक हितों के लिए हिंदुत्व का इस्तेमाल करती है। पिछले महीने, शिवसेना विधायक एकनाथ शिंदे और 39 अन्य विधायकों ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह किया था, जिससे ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई। 30 जून को शिंदे ने मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। ठाकरे ने कहा, 'पहले के विद्रोहों के विपरीत, यह बगावत शिवसेना को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए है। उन्होंने हमारा मुकाबला करने के लिए पेशेवर एजेंसियों को लगा रखा है। यह धन और निष्ठा के बीच की लड़ाई है।'ठाकरे 27 जुलाई को 62 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें अपने जन्मदिन पर गुलदस्ता नहीं चाहिए, लेकिन शिवसेना कार्यकताओं से हलफनामा चाहिए कि वे पार्टी पर भरोसा करते हैं और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी के सदस्य के रूप में जोड़ेंगे। ठाकरे ने कहा, 'लड़ाई अब भारत निर्वाचन आयोग के पास भी पहुंची है, जिसमें दोनों गुट मूल शिवसेना होने का दावा कर रहे हैं। हमें न केवल जोश की जरूरत है, बल्कि पार्टी के सदस्यों के रूप में लोगों के ठोस समर्थन और पंजीकरण की भी जरूरत है।'

डैम में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष जल भंडारण क्षमता बेहतर

ठाणे : मुंबई और ठाणे शहर में विगत २० दिनों से बरखा पानी 'खरच' रही है यानी उम्मीद से भी अधिक बरस रही है। मूसलाधार बारिश के चलते मुंबई और ठाणे को पानी मुहैया करानेवाली झीलें भी जलदार हो गई हैं। आम जनता की पानी की समस्या को दूर करने के बाद अब ठाणे जिले में मानसून ने दो तीन दिन से विराम ले लिया है। इन २० दिनों की बरसात ने डैम में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष जल भंडारण क्षमता को बेहतर बना दिया है। इतना ही नहीं, बांध में क्षमता से अधिक जल जमा होने से अब बांधों से हौले-हौले पानी छोड़ा जा रहा हैं। पर्याप्त मात्रा से अधिक जल भंडारण होने पर बांध के ५ गेटों को खोल दिया गया है।

बता दें कि ठाणे जिले में मानसून ने इस वर्ष देरी से दस्तक दी। देरी से दस्तक देने के बाद मानसून ने जबरदस्त जोर पकड़ लिया। पिछले २० दिनों से लगातार जारी बरसात से ठाणे व मुंबई शहर को जलापूर्ति करनेवाले डैम लबालब भर गए हैं। भारी बारिश के कारण ८७ फीसदी भरे भातसा डैम के ५ गेटों को खोलकर ८४.८० घन मीटर पानी छोड़ा गया। जिले को पानी की आपूर्ति करनेवाले आंध्रा बांध के साथ-साथ बारवी बांध में अच्छा जल भंडारण हुआ है। लगातार बरसने के बाद अब जाकर बारिश ने शहरी और ग्रामीण इलाकों समेत बांध जलग्रहण क्षेत्र में बरसना बंद कर दिया है। शहर में जनजीवन भी सामान्य हो गया है। बाजारों में चहल-पहल है। कृषि कार्य में भी तेजी आई है और पिछले २४ घंटे में दो मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। पिछले साल की तुलना में इस वर्ष कम समय में बांध में अधिक जलजमाव हुआ है। इस साल बारवी बांध में ७८.७० फीसदी, जबकि आंध्रा बांध में ४८ फीसदी जल संग्रहण हुआ है।

डैम प्रशासन के मुताबिक इस वर्ष बरसात ने अलग ही रुख अपना लिया है। पिछले दो दिनों से बरसात ने अपनी रफ्तार को कम कर लिया है। फिर भी बांध परिसर में इतना जलजमाव हो चुका है कि २ से ३ वर्ष तक मुंबई और ठाणे शहर को पानी की कमी का टेंशन नहीं होगा।

23 दिन में 89 किसानों ने की आत्महत्या...!

मुंबई : मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद एकनाथ शिंदे ने एलान किया था कि राज्य में अब कोई भी किसान आत्महत्या नहीं करेगा। शिंदे सरकार गठन के २४ दिन बीत जाने के बाद भी राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हो सका है। किसानों की चिंता करनेवाला कृषि मंत्रालय बिना मंत्री के सूना है। इसी दौरान विगत २३ दिनों में ८९ किसानों ने आत्महत्या की है।

आत्महत्या करनेवाले किसानों में सबसे अधिक संभाजीनगर, बीड और यवतमाल के हैं। आत्महत्या करनेवाले किसानों में से बीड में १३, यवतमाल में १२, परभणी में ६, जलगांव में ६, जालना में ५, बुलढाणा में ५, धाराशिव में ५, अमरावती में ४, वाशिम में ४, अकोला में ३, नांदेड़ में २, भंडारा-चंद्रपुर में २ और संभाजीनगर में २२ किसानों ने जान दी। किसानों की हो रही आत्महत्या पर ध्यान न देते हुए मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस अब तक वैष्ठबिनेट की तीन बैठवेंष्ठ कर चुके हैं। इन बैठकों में शहरों का नाम बदलने, सरपंच के सीधे चुनाव, आरे कारशेड, एमएमआरडीए को कर्ज उपलब्ध कराए जाने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार ने आत्महत्या प्रभावित जिलों में किसान चेतना अभियान, वसंतराव नाईक कृषि स्वावलंबी मिशन की स्थापना की है लेकिन ये दोनों योजनाएं मंत्रालय में अटकी हुई हैं।

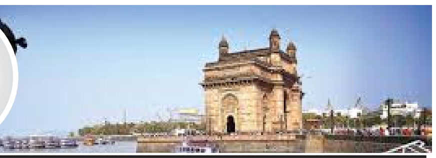

हरमोहन यादव की पुण्यतिथि पर जुटे 12 प्रदेशों के यादव

PM मोदी ने किया संबोधित, कैसे सपा की जमीन हथिया रही भाजपा

समाजवादी नेता रहे और मुलायम सिंह के लंबे समय तक सियासी हमसफर रहने वाले हरमोहन सिंह यादव की 10वीं पुण्यतिथि के मौके पर सोमवार को नजारा एकदम बदला था। कभी कानपुर के मेहरबान सिंह का पुरवा गांव में हरमोहन यादव से जुड़े कार्यक्रमों में सपाइयों की भीड़ दिखती थी, लेकिन आज इस आयोजन में भाजपा के कद्दावर नेता जुटे थे। यही नहीं इस आयोजन को खुद पीएम नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। 18 अक्टूबर 1921 को मेहरबान सिंह का पुरवा में जन्मे हरमोहन सिंह यादव की पुण्यतिथि के मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी का कानपुर आने का ही प्लान था, लेकिन उन्होंने व्यवस्तता के चलते वर्चुअल माध्यम से ही संबोधित किया।

इस मौके पर उन्होंने हरमोहन सिंह को लोकतंत्र के लिए लड़ने वाला योद्धा करार दिया। उन्होंने कहा कि वह आपातकाल में लोकतंत्र को बचाने की जंग में लड़ने वाले योद्धा थे। हरमोहन सिंह यादव को याद करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि समाज के लिए काम करने वाले लोग हमेशा अमर रहते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे यहां मान्यता है कि शरीर के चले जाने के बाद भी जीवन समाप्त नहीं होता। गीता में भी श्रीकृष्ण ने यही संदेश दिया है। जो समाज की सेवा के लिए जीते हैं, वे मृत्यु के बाद भी अमर रहते हैं।' पीएम मोदी ने कहा कि आजादी से पहले महात्मा गांधी हों या फिर उसके बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय, राम मनोहर लोहिया या फिर जयप्रकाश नारायण हों, उनके विचार हमें प्रेरणा देते हैं। लोहिया के विचारों को तो हरमोहन सिंह यादव ने आगे बढ़ाया।

हरमोहन सिंह यादव की पीएम मोदी ने की जमकर तारीफ

पीएम मोदी ने कहा, चौधरी हरमोहन सिंह यादव ने अपने राजनीतिक जीवन में जो काम किया, उससे आने वाली पीढ़ियों को निरंतर मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने अपना राजनीतिक जीवन ग्रामसभा से शुरू किया था और राज्यसभा तक गए। प्रधान बने, विधान परिषद बने और सांसद भी बने। पीएम मोदी का इस कार्यक्रम को संबोधित करना भले ही एक आयोजन में उपस्थिति लग रहा हो, लेकिन इसके गहरे सियासी मायने हैं। यूपी की राजनीति को समझने वालों का मानना है कि इसके जरिए भाजपा सपा के मूल वोट बैंक कहे जाने वाले यादव समाज को अपनी ओर लुभाने की कोशिशों में जुटी है।

यादव महासभा के अध्यक्ष रह चुके थे हरमोहन सिंह यादव

दरअसल हरमोहन सिंह यादव समाजवादी नेता होने के साथ ही यादव बिरादरी की राजनीति से भी जुड़े थे। वह लंबे समय तक अखिल भारतीय यादव महासभा के अध्यक्ष भी थे। यही नहीं उनके बेटे सुखराम यादव आज भी इसके उपाध्यक्ष हैं। आज हुए कार्यक्रम में भी यूपी, बिहार, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, गुजरात समेत देश के 12 राज्यों से यादव महासभा के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इस मौके पर यादव नेताओं के साथ पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा, विधानसभा स्पीकर सतीश महाना जैसे नेता मौजूद थे। इसके अलावा हरमोहन यादव के पोते मोहित यादव खुद भाजपा के नेता हैं। इस तरह मंच से बिना कहे साफ संदेश था कि यादव समाज के लिए भाजपा भी एक विकल्प है।

कभी लगता था सपाइयों का तांता, अब बना भाजपा का मंच

कभी हरमोहन सिंह यादव की पुण्यतिथि अथवा जयंती आदि के कार्यक्रमों में सपाइयों का तांता लगता था। मुलायम सिंह यादव, शिवपाल यादव समेत तमाम नेता जाया करते थे। लेकिन इस बार नजारा एकदम बदला था। भाजपा के नेता मंच पर थे और पीएम नरेंद्र मोदी समेत तमाम भाजपा नेताओं की तस्वीरें भी दिख रही थीं। वहीं सैफई परिवार गायब दिखा। भले ही यह आयोजन हरमोहन सिंह यादव की याद में था, लेकिन यादव बिरादरी के लिए जरूर इससे एक संदेश देने का प्रयास किया गया।

हरमोहन सिंह यादव को मिला था सिखों की रक्षा के लिए शौर्य चक्र

बता दें कि 1984 में जब सिख विरोधी दंगे देश भर में भड़के थे तो हरमोहन सिंह यादव रक्षक के रूप में उतरे। उन्होंने कानपुर में लोगों को सिखों के खिलाफ हिंसा से रोका। खुद सड़कों पर उतरे और लोगों को शांत कराया। इसके चलते तत्कालीन राष्ट्रपति आर वेंकटरमन ने उन्हें 1991 में शौर्य चक्र से सम्मानित किया। दरअसल जब दंगे भड़के हुए थे तो हरमोहन सिंह यादव ने अपने परिवार के साथ सिख बहुल इलाके में पलायन कर लिया था ताकि दंगों को शांत कर सकें। इतना ही नहीं दंगों के दौरान जब एक सिख परिवार उनके घर में अपनी सुरक्षा के लिये पहुंचा तो उन्होंने उसे तब तक हमले से बचाया जब तक कि हमलावरों को तितर-बितर कर गिरफ्तार नहीं कर लिया गया।

साउथ मुंबई को हॉकर्स फ्री बनाने के लिए बीएमसी ने अपनाया सख्त रूख

मुंबई : दक्षिण मुंबई में हॉकरों से निपटने के लिए, बृहन्मुंबई नगर निगम ने कमर कस ली है. इसके लिए बीएमसी ने विभिन्न सार्वजनिक स्थानों से अवैध हॉकरों के अतिक्रमण को हटाने के लिए एनजीओ, और मैनपावर सप्लाई करने वाली फर्मों जैसी बाहरी एजेंसियों से मैनपावर नियुक्त करने की योजना बनाई है.बता दें कि सैंडहर्स्ट रोड, डोंगरी और भिंडी बाजार जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों को कवर करने वाले बीएमसी के बी-वार्ड विभाग, ने इस सप्ताह की शुरूआत में एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया था, जिसमें अतिक्रमण हटाने के लिए मैनपावर की नियुक्ति की मांग की गई थी.

बीएमसी के वार्ड कार्यालय ने जारी किए गए सार्वजनिक नोटिस में कहा है कि वह आठ वॉलंटियर्स को नियुक्त करेगा जिन्हें डेली बेसिस पर 680 रुपये का भुगतान किया जाएगा और अनुबंध की अवधि पांच महीने तक चलेगी. बीएमसी ने प्रस्ताव में यह भी स्पष्ट कर दिया है कि ब्लैक लिस्टेड फर्मों को ठेका लेने से रोक दिया जाएगा. नागरिक निकाय ने यह भी उल्लेख किया कि यदि वॉलंटियर्स को उन्हें आवंटित निर्दिष्ट क्षेत्र में नहीं देखा जाता है, तो एनजीओ / सप्लायर एजेंसी पर 200 रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा.

वहीं नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में आठ वॉलंटियर्स को नियुक्त किया जाएगा. दो शिफ्ट लगाई जाएंगी और प्रत्येक शिफ्ट में 4-4 वॉलंटियर्स होंगे. अधिकारी ने कहा कि, 'हम अवैध फेरीवालों और अतिक्रमणों के खिलाफ एक आक्रामक रुख अपना रहे हैं ताकि पैदल चलने वालों को राहत मिले. हमने कुछ जगहों को चिन्हित किया है, जहां से हमारा अभियान शुरू होगा. इसी के साथ बता दें कि एडिशनल म्यूनिसिपल कमिश्नर (शहर) आशीष शर्मा ने कहा कि वह मुंबई में हॉकरों की समस्या से निपटने के लिए आक्रामक रुख अपनाएंगे.

मुंबई में रोज तीन महिलाओं का रेप!

पुलिस की रिपोर्ट से हुआ खुलासा

इस साल जनवरी से लेकर जून तक महिलाओं से रेप किए जाने के 494 मामले हुए दर्ज

मुंबईः महिलाओं के लिए सुरक्षित माने जाने वाले महानगर मुंबई में औसतन 3 महिलाओं के साथ रोजाना रेप की घटनाएं हो रही हैं। इस साल जनवरी से लेकर जून तक महिलाओं से रेप किए जाने के 494 मामले दर्ज कराए गए हैं। यह खुलासा मुंबई पुलिस की ओर से जारी मासिक क्राइम रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने यानी जून में महिलाओं से दुष्कर्म करने की 73 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें माइनर केस 36 और मेजर केस 37 का समावेश है। मई में यह आकड़ा 95 था, जिनमें माइनर केस 52 और मेजर केस 43 हैं। जून में रोजाना 2 महिलाओं के साथ, जबकि मई में रोजाना 3 महिलाओं के साथ रेप की घटनाएं हुईं। जून और मई यानी पिछले 61 दिन में 168 महिलाएं रेप की शिकार हुईं। इस तरह मुंबई में इस दौरान औसतन 3 महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं हुईं।

इस साल जनवरी से लेकर जून तक यानी पिछले 183 दिनों में महिलाओं से रेप किए जाने के 494 मामले दर्ज किए गए। हर दिन औसतन 2 से 3 महिलाओं ने किसी न किसी पुलिस थाने में बलात्कार की शिकायतें दर्ज कराई हैं। वहीं, 2021 में जनवरी से जून तक रेप के 475 केस दर्ज किए गए थे। रेप की घटनाओं के बीच डिटेक्शन रेट देखकर थोड़ी राहत मिलती है।

...तुरंत याद आए बालासाहेब, राणे बंधुओं की उद्धव ठाकरे की आलोचना

मुंबईः मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे अब विपक्ष के निशाने पर हैं. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने दो दिन पहले उद्धव ठाकरे की आलोचना की थी। उसके बाद बीजेपी के प्रदेश सचिव नीलेश राणे और बीजेपी विधायक नितेश राणे ने भी उद्धव ठाकरे की आलोचना की. राज ठाकरे ने शनिवार को 'जी 24 तास' न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा, 'मैं उद्धव ठाकरे को पूरे महाराष्ट्र से बेहतर जानता हूं। कहा जाता है कि आदमी पर भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी आलोचना की है कि शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे को वर्तमान शिवसेना में भी नहीं माना जाता है। राज्य में वास्तव में शिवसेना कौन है, इस पर एक संघर्ष है, शिवसेना सांसद संजय राउत ने शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में उद्धव ठाकरे का साक्षात्कार लिया है। उद्धव ठाकरे ने इस सवाल का जवाब दिया है कि अगर उन्हें विश्वास मत का सामना करना पड़ता, तो मुंबई पर हमला करने की योजना और अलगाववादियों को देशद्रोही कहने से क्या होता। दो-भाग का साक्षात्कार मंगलवार और बुधवार को जारी किया जाएगा। इसका टीजर और तस्वीरें भी वायरल हो चुकी हैं। उन फोटोज से राणे बंधुओं नीलेश और नितेश ने उद्धव ठाकरे पर हमला बोला है. उद्धव ठाकरे के साथ दो इंटरव्यू की तस्वीरें शेयर करते हुए दोनों ने कमेंट किया है कि 'जब मैं सत्ता में था तब मुझे बालासाहेब की याद नहीं आई, लेकिन सत्ता गंवाने पर मुझे तुरंत बालासाहेब की याद आ गई.

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार 26 जुलाई 2022

अनधिकृत निर्माण मामले में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को राहत

23 अगस्त तक कार्रवाई नहीं करने का हाई कोर्ट का आदेश

मुंबई: बॉम्बे हाईकोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट को 23 अगस्त तक केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के जुहू स्थित बंगले पर कोई कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया है. ऐसे में नारायण राणे को फिलहाल राहत मिली है. केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे के जुहू स्थित बंगले 'अधिश' को मुंबई नगर निगम ने अवैध रूप से बनाया हुआ पाया है। इसलिए नगर निगम द्वारा अनाधिकृत निर्माण को गिराने के लिए नारायण राणे को नोटिस जारी किया गया था। हालांकि नारायण राणे ने इस अनाधिकृत निर्माण को नियमित करने के लिए दूसरी बार नगर पालिका में आवेदन किया है। पहले आवेदन को नगर पालिका ने खारिज कर दिया। राणे की पत्नी और बेटा नितेश आर्टलाइन प्रॉपर्टीज के निदेशक हैं, जिसके पास अधिश बंगला है। इसलिए राणे यहीं रहते हैं। मुंबई नगर निगम ने पाया है कि इस शानदार 11 मंजिला आशीष बंगले में अवैध काम किया गया है। जस्टिस आर ने दूसरी बार नारायण राणे द्वारा किए गए इस आवेदन के संबंध में एक हलफनामे के माध्यम से अपना बयान पेश करने का आदेश दिया। डी। धानुका और न्यायमूर्ति कमल खाता की पीठ ने दिया है। हलफनामे में उन नियमों को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है जिनके तहत इस आवेदन पर विचार किया जा सकता है। अधिश बंगले में अनाधिकृत निर्माण को लेकर नगर पालिका ने पहले राणे को नोटिस जारी किया था। लेकिन बाद में

हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक राणे ने इस निर्माण को नियमित करने के लिए नगर पालिका में आवेदन दिया. लेकिन उस आवेदन को नगर पालिका ने खारिज कर दिया।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस के 4 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित...

GAS CYLINDER
₹1000
High inflation, Continuous price rise badly affecting common citizen
How will they survive?
Gas Cylinder
₹1053
High inflation, Continuous price rise badly affecting common citizen
How will they survive?
Gas Cylinder
₹1053

मुंबई: लोकसभा में तख्तियों के साथ महंगाई का विरोध करने वाले कांग्रेस के चार सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया गया है। कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर, ज्योतिमणि, राम्या हरिदास और टीएन प्रतापन को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। आवश्यक वस्तुओं के दामों में आए दिन हो रहे इजाफे से आम आदमी की जेब ढीली होती जा रही है। इसका विरोध करते हुए कांग्रेस सांसदों ने विरोध किया। इसलिए उन्हें निलंबित कर दिया गया है और लोकसभा का काम मंगलवार 26 जुलाई को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है. अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे राजेंद्र अग्रवाल ने भ्रम की स्थिति पैदा करने वाले कांग्रेस के चार सांसदों के नाम लिए. इसके बाद कांग्रेस के चार सांसदों को नियम 374 के तहत शेष सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। इसके बाद उन्होंने सदन को स्थगित कर दिया। इस निलंबन के संबंध में विपक्षी दलों के सांसदों ने नारेबाजी की और सदन में तख्तियां दिखाकर महंगाई, रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि के मुद्दों पर केंद्र से चर्चा की मांग की. इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें फटकार लगाई और सदन की गरिमा बनाए रखने को कहा।

राज्य के विपक्ष के नेता अजीत पवार ने की मांग....!

दिल्ली से हरी झंडी के बिना राज्य में कोई फैसला नहीं

मुंबई: राज्य के विपक्ष के नेता अजीत पवार ने मांग की है कि सरकार बारिश के कारण सूखे की घोषणा करे क्योंकि किसान मुश्किल में हैं। इस बीच अगर सरकार के पास बहुमत है तो कैबिनेट का विस्तार क्यों ठप है ? इस पर सवाल उठाते हुए पवार ने शिंदे सरकार को चुनौती दी है कि दिल्ली की हरी झंडी के बिना राज्य में कोई भी फैसला नहीं लिया जाता है. राज्य सरकार को तत्काल विधानमंडल का सत्र बुलाना चाहिए। हमने इस संबंध में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। यह सवाल करते हुए कि राज्य में मंत्रिमंडल का विस्तार क्यों रोक दिया गया है, मुख्यमंत्री ने ध्यान न देने के लिए महाराष्ट्र के लोगों की आलोचना की है। इस बीच कल तिरुपति बालाजी में शिवाजी महाराज के वायरल वीडियो पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि लोगों में भ्रम पैदा करने की कोशिश की जा रही है. अजीत पवार ने राय व्यक्त की है कि महाराजा के बारे में झूठी खबर फैलाना गलत है और मुख्यमंत्री को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ इस पर चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के हाथ में कुछ भी नहीं है और जब तक केंद्र उन्हें हरी झंडी नहीं देता तब तक कोई फैसला नहीं लिया जाता है। ऐसा कहकर पवार ने सरकार पर छलावा किया है. फिलहाल मौसम विभाग के फैसले भी सही नहीं हैं। मौसम विभाग ने कहा कि बारिश नहीं होगी, लेकिन बारिश हो रही है। उन्होंने रेड अलर्ट और बारिश नहीं होने के कारण स्कूलों को छुट्टियां दीं, इसलिए उन पर भी भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। राज्य में गीला सूखा घोषित करने का समय आ गया है। पवार ने मांग की है कि सरकार को गीला सूखा घोषित करना चाहिए। वहीं अजीत पवार ने जीएसटी, प्रबंधन, कैबिनेट विस्तार, सम्मेलन, किसान, गीला सूखा जैसे मुद्दों पर सरकार पर निशाना साधा है।

पुनेकर की जेब को कैंची; रिक्शा का किराया बढ़ाने का फैसला

पुणे : पुणे शहर में पिंपरी चिंचवड़ और बारामती समेत तीन सीटर रिक्शा का किराया बढ़ाने का फैसला किया गया है. यह फैसला क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण की संयुक्त बैठक में लिया गया है। बैठक में निर्णय के बाद अब नागरिकों को पहले डेढ़ किलोमीटर के लिए 23 रुपये देने होंगे. इससे पहले हर किलोमीटर के लिए 15 रुपये चुकाने पड़ते थे। किराया वृद्धि से पहले पहले डेढ़ किमी के लिए 21 रुपए चार्ज किया जाता था। इसलिए, इससे आगे हर किमी के लिए पहले 14 रुपये चार्ज किए जाते थे। नई दर 1 अगस्त से लागू होगी और केवल वही रिक्शा चालक जो 1 अगस्त से मीटर कैलिब्रेशन से गुजरेंगे, उन्हें नया किराया बढ़ाने का अधिकार होगा। विभिन्न रिक्शा संघों ने ईंधन की कीमतों में वृद्धि के मद्देनजर किराया वृद्धि की मांग की थी। इसी पृष्ठभूमि में और खटुआ समिति की सिफारिशों के अनुसार उक्त बैठक में ऑटोरिक्शा का किराया बढ़ाने का निर्णय लिया गया है. तदनुसार, नई किराया वृद्धि 1 अगस्त, 2022 से लागू होगी। नगर निगम क्षेत्रों (पुणे और पिंपरी चिंचवाड़) के लिए मध्यरात्रि 12 बजे से सुबह 5 बजे तक की अवधि के लिए 25 प्रतिशत अतिरिक्त किराया स्वीकार्य होगा। नगर निगम क्षेत्रों को छोड़कर, अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में मध्यरात्रि 12 बजे से सुबह 5 बजे तक की अवधि के लिए अतिरिक्त 40 प्रतिशत किराया वृद्धि होगी। साथ में सामान के लिए 60*40 सेमी या उससे अधिक आकार के बैगेज के लिए 3 रुपये प्रति पीस का शुल्क स्वीकार्य होगा।

विश्राम गृह पर छापा मारा तो पुलिस चौंक गई, दो लाख रुपए के नोट थे लेकिन...

कल्याण : महात्मा फुले थाने की पुलिस ने कल्याण में एक विश्राम गृह में छापेमारी कर 2 लाख रुपये के नकली नोट जब्त कर सोमवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपियों के नाम करण रजक (बाकी पैट्रिपूल), सूरत पुजारी (बाकी पैट्रिपूल), मोहम्मद आरिफ (बाकी उत्तर प्रदेश) हैं। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस की जांच जारी है. मिली जानकारी के अनुसार करण पैट्री ब्रिज के पास रहता है और रिक्शा चलाने का धंधा करता है. जबकि सूरज रेलवे स्टेशन क्षेत्र में कुली का काम करता है और कुछ दिन मोहम्मद पैट्रीपूल इलाके में रहता था। उनका परिचय करण, सूरज से हुआ। इन तीनों व्यक्तियों का मुख्य सूत्रधार दिल्ली में है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैजल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नंबर 3-4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नंबर 12, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 63 से छपवाकर
रूम नंबर 15 रमजान बिन 17- सी, वंजावडी, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016 से प्रकाशित किया . संपर्क कार्यालय 1 ए, ग्राउंड फ्लोर, साहिल मेन्शन, बालमिया लेन, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016.
मोबाइल नंबर 9987775650 व्हाट्सएप नंबर 9987775650 ईमेल- editor@rokthoklekhaninews.com -किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा !